उससे पूछताछ के लिए भारतीय एजेंसियों को ...
अदालत पर टिकी हैं। देखना यह है कि हेडली के गुनाह की गंभीरता और उसके खिलाफ जु
के बाद अदालत उसके कबूलनामे पर क्या रूख अख्तियार करती है। यदि अदालत इसे अ
है तो फिर हेडली के प्रत्यर्पण की उम्मीद बरकरार रहेगी। वैसे इसकी संभावना कम ही है अ
से पूछताछ की अनुमति मिलना ही भारत के लिए बड़ी सफलता होगी।

राजस्थान विधान सभा बनी अखाड़ा

कार्य संपन्न कराकर विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने सदन की कार्रवाई सोमवार स्थगित कर दी। जबकि भाजपा,माकपा और जनता दल विधायकों ने सदन में ही धरना उ निर्णय लिया है। भाजपा विधायक हनुमान बेनीवाल के सत्र की शेष अवधि और राजेंद्र राठौड़ के लिए निलंबन का विरोध करते हुए भाजपा सदस्यों का गुरुवार से शुरू हुआ धरना शुक्रवा रहा। पूरी रात सदन में गुजारने के बाद सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायव शुरू कर दी। इस पर अध्यक्ष ने गुरुवार को निलंबित भाजपा के मुख्य सचेतक राजेंद्र रा जाने के लिए कहा। वे नहीं गए तो उन्होंने मार्शल और अन्य सुरक्षाकर्मियों को बुला लिया। मार्शल और सुरक्षाकर्मी राजेंद्र राठौड़ को बाहर निकालने पहुंचे तो उनकी भाजपा सदस्यों के साथ झड़प हुई। मामला बढ़ता देखकर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित कर दी। इस दौरान भी अखाड़ा बने सदन में भाजपा विधायकों और मार्शलों के बीच हाथापाई जारी रही। जिससे भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाब चन्द कटारिया और वासुदेव देवनानी की तबीयत बिगड़ गई। सदन में ही चेकअप के बाद उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया गया। भाजपा के ही बहादुर सिंह कोली की अंगुली और रामसिंह रावत की पसली में चोट आई। चारों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सदन की कार्रवाई एक घंटे बाद फिर शुरू हुई तो सभापति ने विधायी कार्य निपटाना शुरू कर दिया। इसका भाजपा सदस्यों ने विरोध किया। भाजपा सदस्य सदन के वेल में आ गए। वहीं सत्तापक्ष के सदस्य भी अपनी सीटों से आगे आ गए। अध्यक्ष शेखावत ने विधायीकार्य निपटाने के बाद सदन की कार्रवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

गुड़गांव की ट्रैफिक व्यवंस्था पर हाईकोर्ट सख्त

स्पष्ट निर्देश दिया है कि इसका पालन नहीं करने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पंजाब पुलिस को भी निर्देश दिया कि अमृतसर में लारेंस रोड पर नेताओं के पोस्टर व बैनरों को हटवाया जाए। साथ ही कोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा है कि महाराजा रंजीत सिंह पैलेस के बाहर शराब की दुकान क्यों खोली गई है। इसके साथ ही कोर्ट ने अमृतसर पुलिस को आदेश दिया है कि वह रेहड़ी वालों को सड़क पर खड़ा न होने न दे। कोर्ट ने कहा कि चंडीगढ़ की तर्ज पर रेहड़ी मार्केट खोली जाए। हाईकोर्ट ने इस मामले में की गई कार्यवाही की अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट देने के आदेश में दोनो सरकारों को दिए। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान चंडीगढ़, पंजाब व हरियाणा के उच्च पुलिस अधिकारी कोर्ट में पेश हुए। इस मामले में पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ में ट्रैफिक समस्या के निदान लिए आम लोगों व गैर सरकारी संगठनों से इस मामले में एक तंत्र विकसित करने के लिए राय मांगी थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में हरियाणा व पंजाब सरकार को नोटिस जारी कर पूछा कि क्यों न इस मामले में कोर्ट की अवमानना का मामला चलाया जाए। हाईकोर्ट ने यह आदेश हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक आदेश राज्य सरकारें द्वारा पालन नहीं करने पर जारी किया था। वर्ष 1998 में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ में ट्रैफिक समस्या से निपटने के लिए कार्यप्रणाली अपनाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा था कि इन दोनों राज्यों की जो भी कार्यप्रणाली अधिक कारगर होगी उसे दोनों राज्यों व चंडीगढ़ पर लागू कर दिया जाएगा, लेकिन आज तक राज्य सरकारों ने इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया। हाईकोर्ट ने इस मामले में जवाब देने के लिए चंडीगढ़, हरियाणा व पंजाब के उच्च पुलिस अधिकारियों को तलब किया था।

⇒ जेब पर बोझ कम सफर भी चमाचम ⇐ ⇐ ⇐

की संख्या में नौ सौ से एक हजार नए वाहन प्रतिदिन जुड़ रहे हैं। गुड़गांव में भी पंद्रह से बीस प्रतिशत वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में कार पूल ही बेहतर विकल्प है। उनके अनुसार, यह एक ग्रीन इनिशेटिव है। उन्होंने बताया कि कार पूल की सुविधा लेने वाले सभी की कंपनियों; उनके चरित्र, व्यवहार, पद व पते के बारे में ठोस जानकारी ली जाती है। उसके बाद ही संबंधित व्यक्ति का नाम कार पूल के लिए आगे बढ़ाया जाता है जोकि सुरक्षित भी है। उन्होंने कहा कि हर सप्ताह दो से ढाई सौ लोगों के नाम कार पूल के लिए आ रहे हैं। प्रतिदिन 75 लोगों के निवेदन आ रहे हैं। दोनों प्रोफेशनल युवाओं ने बताया कि कार पूल से दोस्त बढ़ते हैं, ट्रैफिक कम होता है और पेट्रो पदार्थ की बचत होती है। कार पार्किंग का भी समाधान होता है। उनके अनुसार, डीएलएफ साइबर पार्क में दिल्ली, नोएडा, फरीदाबाद से बीस हजार कारें आती हैं। यदि कार पूल को लेकर चलें, तो कम से कम पचास प्रतिशत कारें कम हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि पावर ग्रिड, टीसीएस, आईएल एंड एफएस, इंडिया बुल, केन, वन 97, एरिसेंट, मेंटर ग्राफिक्स आदि आईटी कंपनियों के प्रोफेशनल को कार पुल के लिए पोर्टल से अनुबंध किया है। उन्होंने कहा कि उनकी मंशा है कि अधिक से अधिक लोग कार पूल से जुड़ें और दिल्ली एनसीआर को ट्रैफिक जाम मुक्त, पार्किंग व पर्यावरण की समस्या से निदान करने में लोग भागीदार बन सकते हैं।

अर्थ

⇧ (+30) प्रति दस ग्राम 16940	⇩ (-75) प्रति किलो 27175
बीएसई	एनएसई
⇧ (+58.97) 17578.23	⇧ (+16.90) 5262.80
रु/ डालर $	रु/ यूरो €
45.49/45.50	61.69/61.71

कायम है। इसके संकेत खुद गृहमंत्री पं
ने यह कहकर दे दिए कि हेडली के व
उसका प्रत्यर्पण भले ही मुश्किल हो गया
उससे पूछताछ पर कोई रोक नहीं लगी है
लगभग छह महीने के प्रयास के बाद
तक पहुंचने में असफल रही भारतीय ए
कसक दूसरी है। भारत ने मुंबई हमले
अमेरिकी एजेंसियों को हर संभव मदद व
एकमात्र जिन्दा पकड़े गए आतंकी अज
से पूछताछ की अनुमति भी दी, लेकिन व
हेडली तक पहुंचने में भारत के सा
मुश्किलें ही खड़ी करता रहा है। चूं

गुड़गांव की ट्रैफिक व्यवस्था पर हाईकोर्ट सख्त

- सरकारी दफ्तरों के बाहर वाहन खड़े करने पर लगाई रोक
- वर्ष 1998 में दिए थे हाईकोर्ट ने कार्रवाई करने के आदेश

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़ : गुड़गांव में ट्रैफिक समस्या के मद्देनजर हाईकोर्ट ने कड़े निर्देश दिए हैं। निर्देशों के अनुसार अब सरकारी कर्मचारी अपने दफ्तर के बाहर वाहन खड़े नहीं कर सकेंगे। कोर्ट ने यह निर्देश एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद दिया है। कोर्ट ने इस निर्देश के साथ ही पुलिस को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि किसी भी माल के बाहर वाहनों को न खड़ा होने दिया जाए। कोर्ट ने अपने कार्यालयों के बाहर वाहन खड़ा कर देने वाले सरकारी कर्मचारियों को हिदायत दी है कि वे ट्रैफिक के नियमों का पालन करें और आदत में सुधार लाएं। कोर्ट ने इस मामले में विशेष रूप से गुड़गांव के हुडा व निगम के उन कर्मचारियों को सही जगह पर वाहन खड़ा करने को कहा है जो अपने वाहनों को सड़क पर खड़ा कर देते हैं। कोर्ट ने पुलिस को ■ शेष पृष्ठ 4 कॉलम 1 पर

DAINIK JAGRAN (20 Mar 2010)

कार पूल करने वालों की बढ़ रही तादाद

जेब पर बोझ कम सफर भी चमाचम

भूप सिंह जून, गुड़गांव

- आईटी व एमएनसी के प्रोफेशनल्स के अलावा कंसल्टेंट व अन्य समेत तीन हजार कर्मी ले रहे सुविधा का लाभ
- दिल्ली से गुड़गांव, नोएडा, फरीदाबाद जाते हैं सभी

दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वाहनों की बढ़ती रेलमपेल, बढ़ी पेट्रो पदार्थों की कीमतें और पर्यावरण संरक्षण के लिए लोग आपस में कार पूल करने लगे हैं। गुड़गांव स्थित कई आईटी कंपनियों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रोफेशनल, कंसलटेंट कार पूल करने लगे हैं। दिल्ली से गुड़गांव, नोएडा, फरीदाबाद जाने वाले तीन हजार लोग कार पूल से जुड़े हैं। कार पूल में महिला कर्मियों की भी कमी नहीं है।

कार पूल से लोगों को जुड़ने के लिए सुविधा मुहैया करा रही ईजी टू कम्यूट डाट काम के संस्थापक अंबरीश बजाज व अभिषेक राजन के अनुसार, दिल्ली-गुड़गांव एक्सप्रेस वे पर डेढ़ लाख वाहनों का आवागमन होता है। इनमें से साठ हजार कारें ऐसी हैं, जो प्रतिदिन एक्सप्रेस वे से गुजरती हैं। इसी तरह एमजी रोड पर भी कारों की यही स्थिति है। उनके अनुसार, दिल्ली की सड़कों पर चल रहे वाहनों ■ शेष पृष्ठ 4 कॉलम 1 पर